पुरुषार्थ

***मीठी वाणी मनवा बोल!!!
***वाणी में प्यार का रस घोल!!!
***मन में रख शुद्ध संकल्प!!!
***चाहे माया कराये कितने भी विकल्प!!"
***वाणी से हो सदा शिव की ही सेवा!!!
***हो सदा ज्ञान और गुण दान!!!
***कर्मो से हो तेरे पहचान प्रभु की!!!
***चरित्र हो स्वच्छ; बुद्धि शुद्धऔर निर्मल!!!
***है ईश्वरीय संतान...कर उसे प्रत्यक्ष !!!
***मनसा में कोई व्यर्थ न रख!!!
***प्रभु ने बनाया जो समर्थ!!!
***स्वयं को कर निरंतर चेक(check)!!!
***फिर बना अपने को न्यू मेक(make)!!!
***याद और सेवा में रह सदा व्यस्त!!!
***तो माया हो जाऐगी बिल्कुल धवस्त!!!
***पुण्य का खाता जमा कर!!!
***श्रेष्ठ कर्म कर श्रीमत पर चल!!!
***एक का बनता है लाख यहाँ!!!
***कर समय संकल्प को इन्वेस्ट!!!
***मर्यादाओ का मत कर उल्लंघन!!!
***मनसा में भी हो सदा शुद्ध संकल्प!!!
***ज्ञान खज़ाना भरपूर मिला!!!
***उसे यूज़(use) करने की विधि अब समझ

!!!
***श्रीमत में न मनमत मिक्स कर..करती जो सदा ही
पथभ्रष्ट!!!
***सदा संतुष्ट रहना है तो...वरसे के अधिकारी बन!!!